लौहित्य साहित्य सेतु: सहयोगी विद्वानों द्वारा पुनरीक्षित द्विभाषिक ई-पत्रिका
वर्ष: 3, संख्या: 4; जनवरी-जून, 2022

योद्धा

✍ नित्यानंद गायेन

मेरे दोस्त ने
एक बार कहा था मुझसे
'वीर रस' पर कविता लिखो!
मैंने उससे कहा था -
देश के किसी गरीब की
जीवनी पढ़ो ..!

गरीब इस देश का
वीर योद्धा है!
वह युद्ध करता है
जन्म से मृत्यु तक।

वह जीवन से लड़ता है
भूख से लड़ता है
अन्याय से लड़ता है।

वह शुरू से अंत तक
लड़ता है
अपने आपसे
वह लड़ते- लड़ते
मरता है।

वह इस देश का
सबसे बड़ा योद्धा है
उसके लड़ने में ही
वीर रस की
सबसे बड़ी कविता है !